Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Newsletter
September | 2025

Advancing Together

Academic Evaluation & Progress

In September, Khwabagh's Academic facilitators continued to strengthen classroom learning. Activity based methods made learning enjoyable and practical – students learned grammar through games, science through demonstrations and math through patterns found in daily life. Mid -term assessments were conducted in all subjects, with teachers analyzing the results to identify learning gaps and plan targeted support

Teachers' Day Celebration

Teachers' Day was celebrated with great enthusiasm across all 4 Khwabgah schools. Students were educated about Dr. S. Radhakrishnan. Students from Class 5 took on a unique role-reversal activity, dressing up as their teachers and conducting classes for students in grades 1 to 4. This engaging and interactive approach not only honoured the spirit of Teachers' Day but also allowed the Class 5 students to experience the responsibilities and challenges of being a teacher, fostering appreciation for their educators' efforts

Hindi Diwas Celebration

Students were educated about the significance of Hindi Diwas which is celebrated on the 14th of September every year. Various activities like general knowledge quiz, poem recitation, and writing competition were organised by the teachers in keeping with the spirit of the day to promote and celebrate the rich cultural heritage of the Hindi language and its literature

Parents -Teachers Meeting in Jasola

A Parents-Teachers Meeting was organized at Khwabgah, Jasola to discuss students' academic progress and strengthen collaboration between parents and teachers. The meeting provided a platform to share assessment outcomes, classroom performance, and individual learning needs of students. Teachers highlighted each child's strengths and areas requiring improvement, while parents were encouraged to support learning at home. The meeting reinforced the importance of regular communication and joint responsibility in nurturing each child's growth and learning

Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Newsletter
September |2025

Knowledge Corner

Gender at a Glance

India has witnessed notable progress in gender equity across various domains. However, persistent disparities underscore the need for sustained efforts. Here is a data-driven overview of recent trends-

GENDER SNAPSHOT

Education

The Gender Parity Index is **close to or above 1** across Primary and Secondary levels*

Gross Enrolment Rate (GER) for females in higher education is **27.9% vs 26.7%** for males**

*India Today; **All India Survey on Higher Education (AISHE) data

Health

Maternal Mortality Ratio is **88 per 100,000** live births*

Infant Mortality Rate (IMR) is **27 Per 1000** live births**

*SRS Bulletin; **India Today

Employment

Female Labour Force Participation is **41.7%***

Formal job access (salaried & contract positions held by women) is at **16%****

Women earn **30%** of their male counterparts***

Women spent **289 minutes** on unpaid domestic work daily, compared to **88** minutes by men****

*PIB; **Reuters, 2025; *** Global Gender Gap Report, 2025; ****Time Use Survey 2024

Political Participation

Women hold **46.9%** of elected panchayat positions as of April 2023*(due to mandatory 33% reservation for women in local level government)

13.8% of Parliament members are women*

Ministerial roles held by women is a mere **5.6%***

* PIB

India has made commendable strides in education and health for women, but gender gaps in employment, wages, unpaid work, and political leadership persist. Addressing these will require focused policy reforms, social change, and investment in care infrastructure to unlock the full potential of India's women.

Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Newsletter
September | 2025

प्रगति की ओर

शैक्षणिक मूल्यांकन और प्रगति

सितंबर माह में ख़्वाबगाह के शिक्षकों ने कक्षा शिक्षण को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य जारी रखा। गतिविधि-आधारित शिक्षण विधियों ने सीखने को आनंददायक बनाया — छात्रों ने व्याकरण को खेलों के माध्यम से, विज्ञान को प्रदर्शनों के माध्यम से और गणित को दैनिक जीवन में पाए जाने वाले पैटर्न के माध्यम से सीखा। सभी विषयों में मध्यावधि मूल्यांकन किए गए, जिनके परिणामों का विश्लेषण करके शिक्षकों ने अधिगम अंतर को पहचाना और लक्षित समर्थन योजना बनाई।

शिक्षक दिवस समारोह

चारों ख़्वाबगाह विद्यालयों में शिक्षक दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। छात्रों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और योगदान के बारे में जानकारी दी गई। कक्षा 5 के छात्रों ने एक अनोखी भूमिका-परिवर्तन गतिविधि में भाग लिया, जिसमें वे अपने शिक्षकों के रूप में तैयार होकर कक्षा 1 से 4 के छात्रों को पढ़ाने पहुंचे। यह रोचक और सहभागिता आधारित गतिविधि न केवल शिक्षक दिवस की भावना का सम्मान थी, बल्कि इससे कक्षा 5 के छात्रों को शिक्षक की जिम्मेदारियों और चुनौतियों को अनुभव करने का अवसर भी मिला।

हिंदी दिवस समारोह

छात्रों को 14 सितंबर को मनाए जाने वाले हिंदी दिवस के महत्व के बारे में बताया गया। दिन की भावना के अनुरूप शिक्षकों द्वारा सामान्य ज्ञान क्विज़, कविता पाठ और लेखन प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य हिंदी भाषा और उसके साहित्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना और उसका उत्सव मनाना था।

जसोला में अभिभावक-शिक्षक बैठक

ख़्वाबगाह जसोला में एक अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया ताकि छात्रों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा की जा सके और अभिभावकों तथा शिक्षकों के बीच सहयोग को सशक्त किया जा सके। इस बैठक ने मूल्यांकन के परिणाम, कक्षा में प्रदर्शन और छात्रों की व्यक्तिगत अधिगम आवश्यकताओं को साझा करने का एक मंच प्रदान किया। शिक्षकों ने प्रत्येक छात्र की ताकतों और सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों को रेखांकित किया, वहीं अभिभावकों को घर पर अधिगम में सहयोग देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। बैठक ने यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक बच्चे की प्रगति और सीखने की यात्रा में नियमित संवाद और साझा जिम्मेदारी कितनी महत्वपूर्ण है।

Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Newsletter
September |2025

नॉलेज कार्नर

लैंगिक स्थिति पर एक नज़र

भारत में लैंगिक समानता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे क्षेत्रों में अब भी स्पष्ट असमानताएँ बनी हुई हैं। प्रस्तुत है हालिया रुझानों का एक आंकड़ा-आधारित अवलोकन-

जेंडर स्नैपशॉट

शिक्षा

लैंगिक समानता सूचकांक प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर 1 के करीब या उससे ऊपर है*

उच्च शिक्षा में सकल नामांकन दर महिलाएँ के लिए **27.9%** व पुरुष के लिए **26.7%** है**

**इंडिया टुडे; **ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन (AISHE)

स्वास्थ्य

मातृ मृत्यु दर प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर **88** है

शिशु मृत्यु दर प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर **27** है**

*SRS बुलेटिन ; **इंडिया टुडे

रोज़गार

महिला श्रम भागीदारी दर **41.7%** है*

औपचारिक नौकरियों में महिलाओं की हिस्सेदारी **16%** है**

औसतन महिलाएं पुरुषों की तुलना में लगभग **30%** कम कमाती हैं***

महिलाओं ने प्रतिदिन औसतन 289 मिनट घरेलू अवैतनिक कार्यों में लगाए, जबकि पुरुषों ने मात्र **88** मिनट****

*पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे; **रॉयटर्स; ***ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट, 2025; ****टाइम यूज़ सर्वे

राजनीतिक भागीदारी

महिलाएं पंचायती चुनावों में **46.9%** पदों पर निर्वाचित हैं*(स्थानीय स्तर की सरकार में महिलाओं के लिए अनिवार्य 33% आरक्षण हैं)

संसद में महिलाओं की **13.8%**हिस्सेदारी हैं*

मंत्रिमंडल में महिला मंत्रियों की **5.6%** हिस्सेदारी हैं*

* प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो

भारत ने **शिक्षा और स्वास्थ्य** के क्षेत्र में महिलाओं के लिए सराहनीय प्रगति की है, लेकिन **रोज़गार, वेतन, अवैतनिक कार्य और राजनीतिक नेतृत्व** में अब भी गंभीर लैंगिक असमानताएँ बनी हुई हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए **नीति सुधार, सामाजिक परिवर्तन और देखभाल अवसंरचना** में निवेश की आवश्यकता है, ताकि भारत की महिलाओं की पूरी क्षमता को सशक्त रूप से सामने लाया जा सके।